महिलाओं में ब्रेस्ट का आकार बढ़ाने की बढ़ी डिमांड

▸ विश्व प्लास्टिक सर्जरी डे पर विशेष

80 % से अधिक प्लास्टिक सर्जरी री-कंस्ट्रक्टिव

10 % से अधिक कॉस्मेटिक

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 14 जुलाई. प्लास्टिक सर्जरी यह शब्द सुनते ही मन में सबसे पहले फिल्मी सितारों के खूबसूरत चेहरे, बोटॉक्स या महंगे कॉस्मेटिक इलाज की तस्वीर उभरती है. लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार करीब 80 फीसदी से अधिक प्लास्टिक सर्जरी री-कंस्ट्रक्टिव वाली होती है. कुछ यही हाल राजधानी के हमीदिया अस्पताल का भी है.

जहां अधिकतर सड़क हादसे, आग से झुलसे मरीज और जन्मजात कमियों जैसे कटे होंठ, कटे तालू या आपस में जुड़ी बच्चों की उंगलियों को ठीक करने वाले री-कंस्ट्रक्टिव सर्जरी के मरीज आते हैं. जबकि करीब 10 प्रतिशत से अधिक मामले सैलून या क्लीनिकों से कॉस्मेटिक सर्जरी के बिगड़े केस को ठीक करवाने आते हैं. वहीं इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ

एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जरी ग्लोबल रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनिया भर में होने वाली कुल कॉस्मेटिक सर्जरी के मामले में भारत टॉप-10 देशों की सूची में शामिल है.

माइक्रोस्कोप मे नसों को जोड़कर होती है सर्जरी

डॉ. हरिशंकर बताते हैं जब कोई गहरा घाव हो तो शरीर के दूसरे हिस्से से पूरी मांसपेथी, हड्डी और रक्त वाहिकाओं को काटकर प्रभावित हिस्से में जोड़ा जाता है. इसके लिए माइक्रोस्कोप की मदद से बालों से भी पतली नसों को सिला जाता है ताकि उस हिस्से में खून का दौरा चालू हो सके.

री-कंस्ट्रक्टिव सर्जरी से कैसे बनता है चेहरा और शरीर

जीएमसी के प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. हरिशंकर चौधरी बताते हैं कि हादसे में जब शरीर का कोई हिस्सा पूरी तरह डैमेज हो जाता है, तो उसे ठीक करने के लिए स्किन ग्राफ्टिंग (त्वचा का प्रत्यारोपण) किया जाता है. इसमें मरीज के शरीर के ही किसी स्वस्थ हिस्से से त्वचा की एक पतली परत को निकालकर खराब हो चुके हिस्से पर लगाया जाता है. इस प्रक्रिया में चेहरे पर की जा रही सर्जरी पर उचित रंग और टोन से मिलती जुलती स्किन को लगाने का विशेष ध्यान रखा जाता है.

पुरुषों में सीने की चर्बी कम करने की डिमांड बढ़ी

प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. सुनील राठौर बताते हैं कि आज के समय में कॉस्मेटिक के क्षेत्र में नॉन सर्जिकल और सर्जिकल दोनों तहर की प्रक्रिया अपनायी जा रही है. जिसमें लिपोसक्शन (चर्बी कम करने में), ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन (महिलाओं में स्तन का आकार बढ़ाने में), गायनेकोमास्टिया (पुरुषों के सीने की चर्बी कम करने में) और राइनोप्लास्टी (नाक को ठीक करने में) सर्जरी की डिमांड सबसे अधिक है. जबकि नॉन सर्जिकल में लेजर, फिलर, थ्रेड शामिल है. इनसे किसी व्यक्ति की उम्र को करीब 5 से 10 साल तक कम दिखने योग्य बनाया जा सकता है.

आज ग्राम चंदेरी में लगेगी कलेक्टर की चौपाल

भोपाल. कलेक्टर प्रियंक मिश्रा बुधवार को हुजूर क्षेत्र के ग्राम चंदेरी में जनसमस्याओं के निराकरण के लिए चौपाल लगाएंगे. यह चौपाल शाम 5 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें विशेष रूप से राजस्व संबंधी मामलों की सुनवाई कर मौके पर ही उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा. चौपाल में एडीएम, हुजूर एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे. ग्रामीण अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के सामने रख सकेंगे, जिनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए जाएंगे.

जल्द शुरू होगी निगम की नई आवास योजना

1500 मकान बनाए जाएंगे

विजय शर्मा

भोपाल, 14जुलाई. राजधानी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम तीन नए आवासीय प्रोजेक्ट शुरू करने की तैयारी में है. इन परियोजनाओं के तहत शहर के तीन प्रमुख क्षेत्रों में करीब 1500 आवासों का निर्माण किया जाएगा.

मंगलवार को नगर निगम अधिकारियों की बैठक में प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें सभी अधिकारियों ने योजना पर सहमति जताई. अब केवल मंत्रालय से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है. सूत्रों के अनुसार नगर निगम ने परियोजना की पूरी तैयारी कर ली है. बुधवार को नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य सचिव (सीएस) और अपर मुख्य सचिव (एसीएस), नगरीय प्रशासन से मुलाकात कर अंतिम अनुमति प्राप्त करेंगे. बताया जा रहा है कि परियोजना को पहले ही मौखिक सहमति मिल चुकी है, अब औपचारिक स्वीकृति के लिए फाइलों पर हस्ताक्षर होना शेष है.

प्रस्तावित आवासीय परियोजनाएं जेल रोड स्थित नयापुरा, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन के पास ईरानी डेरा क्षेत्र तथा बीएचईएल के कस्तूरबा नगर में विकसित की जाएंगी. इन स्थानों पर स्लम और नॉन-स्लम परिवारों के साथ-साथ 2 बीएचके आवास भी बनाए जाएंगे.

परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी

तीनों परियोजनाओं में कुल लगभग 1500 आवासों का निर्माण प्रस्तावित है .नगर निगम का मानना है कि इन परियोजनाओं से शहर में किफायती आवासों की उपलब्धता बढ़ेगी और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी. मंत्रालय से मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी है.

एनएसयूआई नेता पर दुष्कर्म का केस दर्ज, आरोपी फरार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. एनएसयूआई के एक नेता पर 23 साल की युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है. मंगलवार को पिपलानी थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है. पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक पीड़िता भोपाल एक छात्रावास में रहती है और संगठन से करीब एक साल से जुड़ी है. कैम्पियन ड्राइव कार्यक्रम चल रहा है. इसमें शामिल होने के लिए वह आरोपी सुभाष यादव और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ जाती थी. पीड़िता का आरोप है कि सुभाष यादव 10 जुलाई को देर शाम उसे रत्नागिरी के पास एक फ्लैट पर ले गया और रात में देरी होने से वह हॉस्टल नहीं जा सकी. मौके का फायदा उठाकर सुभाष ने मारपीट करते हुए पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया.

पीड़िता का आरोप है कि सुभाष ने इस बात को किसी से नहीं बताने की धमकी भी थी. पीड़िता 3 दिन बाद हिम्मत जुटा कर पिपलानी थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया. आरोपी मौके से फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है.

फर्नीचर के शोरूम और गोदाम में आग

▸ करोड़ों का सामान जलकर खाक

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. हमीदिया अस्पताल रोड पर स्थित एक फर्नीचर के शोरूम और गोदाम में मंगलवार सुबह आग लग गई. मामले की सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. कोई जनहानि नहीं हुई है.

गोदाम में आग लगने से वहां रखे करोड़ों रुपये का फर्नीचर और घरेलू सामान जलकर खाक हो गए. आग लगने का सही कारण सामने नहीं आ सका है. जानकारी के मुताबिक शोरूम के अंदर से सुबह करीब 5 बजे कुछ लोगों ने धुआं निकलते देखा. लोगों ने इसकी सूचना तुरंत ही पुलिस एवं अग्निशमन विभाग को सूचना दी. इस मौके पर फतेहगढ़, बोगदा पुल, कबाड़खाना, बैरागढ़ और गांधीनगर से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची.

शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका

भारी मशक्कत के बाद फायर अमले ने आग पर काबू पाया. हादसे में शोरूम और गोदाम में रखे लकड़ी के पलंग, सोफे, डाइनिंग टेबल, चाय की मेज, अलमारियां और सजावटी घरेलू सामान जलकर खाक हो गए. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की सूचना सामने आई है.

300 रुपए करोड़ की जमीन के फर्जी नामांतरण की शिकायत

▸ पानी जांच की सुविधा के निर्देश

भोपाल, 14 जुलाई. कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 210 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सबसे चर्चित मामला कोहेफिजा क्षेत्र की करीब 300 करोड़ रुपये मूल्य की 1.50 एकड़ जमीन के कथित फर्जी नामांतरण का रहा.

शिकायतकर्ता अंसार मोहम्मद खान ने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 में राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नामांतरण किया गया. उन्होंने तहसीलदार, एसडीएम और पटवारी सहित संबंधित अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच तथा नामांतरण निरस्त करने की मांग की. कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मामले सहित सभी शिकायतों को जांच के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया. जनसुनवाई में कोलार के दानिश हिल्स के रहवासियों ने शासकीय भूमि पर अवैध उत्खनन, पहाड़ों की कटाई और पेड़ों के नुकसान की शिकायत की. वहीं रोहित गृह निर्माण सहकारी संस्था के 26 वर्ष पुराने प्लॉट की रजिस्ट्री लंबित होने तथा बैरसिया रोड स्थित फिरदोस नगर में आवासीय क्षेत्र में संचालित निजी स्कूल के कारण यातायात और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें भी सामने आईं.

> इधर, कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में आम नागरिकों के लिए पानी की गुणवत्ता जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. घरेलू उपयोग के लिए जल नमूना जांच शुल्क 600 रुपये तथा शासकीय, निजी संस्थानों, अस्पतालों, विद्यालयों और होटलों सहित व्यावसायिक उपयोग के लिए 1550 रुपये प्रति नमूना निर्धारित किया गया है. विभाग ने नागरिकों से पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला में जांच कराने की अपील की है.

22 तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का तबादला

▸ नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं

भोपाल, 14 जुलाई. प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया.

लंबे समय से पदस्थापना का इंतजार कर रहे 22 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र बदलते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. माना जा रहा है कि इस बदलाव से विभिन्न तहसीलों और राजस्व सर्किलों में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी. जारी आदेश के अनुसार करुणा दंडोतिया को नजूल टीटी नगर, भूपेन्द्र कैलासिया को नजूल शहर वृत्त, अनामिका सराफ को नजूल बैरागढ़, आदित्य जाघेला को बैरसिया, कृष्णा रावत को एमपी नगर और कुणाल अवास्या को कोलार में अतिरिक्त तहसीलदार बनाया गया है.

वहीं निधि तिवारी और राजेश राम को भू संसाधन प्रबंधन (एसएलआर-1 और एसएलआर-2) का दायित्व सौंपा गया है. नायब तहसीलदारों में भी व्यापक बदलाव किए गए हैं. मोहम्मद इदरीश खान, प्रतिनिश तिवारी, आदि को नई पदस्थापनाएं मिली हैं.

संपत्ति कर के नए खाते खोलने में गड़बड़ी

संपत्ति स्थल की बिना जांच खाते खुलने से अनियमितताओं की आशंका

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 14 जुलाई. नगर निगम में संपत्तिकर में घोटाले और अनियमितताएं कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं. न ही ऐसे मामलों को रोकने के लिए निगम प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई कर रहा है. अब संपत्तिकर के नए खाते खोलने का मामला सामने आया है.

जिसमें वार्ड तीन में संपत्तिकर के 157 नए खाते खोले गए हैं, जिसकी जानकारी वार्ड प्रभारी को ही नहीं है. यह खाते सीधे जोनल कार्यालय से खोले गए हैं. इन खातों में आर्थिक अनियमितताएं होने की आशंका जताई जा रही है. इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को लगी तो आनन फानन में उक्त जोन-1 के जोनल अधिकारी विक्रम झा को पद से हटाते हुए नीरज कुमार नामदेव को पदस्थ कर दिया गया है. झा को कार्यालय में ही पदस्थ कर दिया गया है. हालांकि इस मामले में पद से हटाने के बाद पूर्व जोनल अधिकारी पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है.

नया खाता खोलने जिम्मेदारी वार्ड प्रभारी की

वार्ड प्रभारी पर संपत्तिकर के नए खाते खोलने के साथ ही उनसे उक्त संपत्ति का कर वसूलने की जवाबदारी रहती है. अगर जमा नहीं किया जाता है तो वार्ड प्रभारी या कार्यालय से कर्मचारी घर जाकर वसूली करते हैं. नगर निगम द्वारा पूरे साल निगम की आय बढ़ाने नवीन संपत्तिकर के खाते खोले जाने की प्रक्रिया जारी रहती है, जो वार्ड प्रभारी द्वारा की जाती है.

इनका कहना है...

इस बारे में अभी मुझे पूरी जानकारी नहीं है. आपने संज्ञान में लाया है तो इस मामले की जानकारी पता करवा कर बताते हैं.

— संस्कृति जैन, नगर निगम आयुक्त

कर्मचारी ने ही की दुकान से चोरी

भोपाल. ऐशबाग इलाके में एक मोबाइल एंड कंप्यूटर दुकान के संचालक ने अपने कर्मचारी पर चोरी करने का आरोप लगाया है. पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. दुकान संचालक सचिन भूपेंद्र सिंह सलूजा ने शिकायत थाने में दर्ज कराई. सचिन की अप्सरा टॉकीज के पास दुकान है. उनका आरोप है कि बीते चार साल से उनकी दुकान में काम करने वाले बाबूलाल चौरसिया ने चोरी की वारदात कर दी. आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है. सचिन ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने दुकान में रखे 50 हजार रुपए नकद और ग्राहकों के कई मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं

आरोपी के परिजनों ने किया चक्काजाम

मासूम के अपहरण का मामला

झूठे केस में फंसाने का आरोप

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. बागसेवनिया इलाके में डेढ़ साल के मासूम के अपहरण के मामले में अब नया मोड़ आ गया है. मंगलवार को पुलिस की गिरफ्त में आरोपी के परिवार के लोगों ने बागमुगालिया इलाके में सड़क पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया.

प्रदर्शनकारियों ने मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं. उनका कहना है कि आरोपी बनाए गए अरुण भील को झूठे केस में फंसाया जा रहा है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए. अरुण पर पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है. बता दें कि बीते शुक्रवार को मासूम बच्चे का अपहरण का मामला सामने आया. आरोप है कि अरुण ने मासूम को उसके घर के बाहर अकेले खेलते देखा. इसके बाद उसने एक बोरे में मासूम कर भर लिया और ले जाने लगा. बच्चे के रोने की आवाज सुनकर बाहर आए लोगों ने उसे पकड़ा. लोगों ने आरोपी की इस दौरान जमकर पिटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया. मासूम की मां से आरोपी अरुण की पुरानी रंजिश का मामला सामने आया. अब इस मामले में अरुण के पक्ष खड़े लोग पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे है.

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

भोपाल. छोला मंदिर थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. मर्ग कायम कर पुलिस जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय गोलू रैकवार ग्राम खेजड़ा में रहता था. वह एक कंपनी में काम करता था. गोलू रविवार की रात अपने घर से निकला था. उसके घर वापस नहीं आने पर सोमवार को परिजनों ने तलाश शुरू की. उसके शव को भानपुर स्थित रेलवे पटरी के देखा गया, जिसकी सूचना तुरंत ही पुलिस को दी गई. छोला मंदिर पुलिस इस मामले में हादसा और खुदकुशी के एंगल से जांच कर रही है.

रेलवे कर्मचारियों का प्रदर्शन

एडीईएन कार्यालय में नारेबाजी

भोपाल, 14 जुलाई. पश्चिम-मध्य रेलवे मजदूर संघ की मुख्य शाखा के अधीन कार्यरत कर्मचारियों ने विभिन्न लंबित प्रशासनिक समस्याओं को लेकर मंगलवार को प्रदर्शन किया.

कर्मचारियों ने विभाग में व्याप्त विसंगतियों, साइकिल अलाउंस के एरियर का भुगतान नहीं होने, ट्रैक पर कार्यरत कर्मचारियों को सेफ्टी गियर, जूते और वाटर बोतल उपलब्ध नहीं कराए जाने सहित कई मुद्दों को लेकर नाराजगी जताई. कर्मचारियों ने यूनिटों के टूल रूम में मेंटेनेंस कार्य कराने, चाबीदारों से गैंग का कार्य कराए जाने और कुछ कर्मचारियों से नियम विरुद्ध कार्य लिए जाने का भी विरोध किया.

इन समस्याओं से मुख्य शाखा सचिव अनिरुद्ध सोनी को अवगत कराया गया, जिसके बाद मामला महामंत्री अशोक शर्मा के संज्ञान में लाया गया. मंडल सचिव कमलेश परिहार के निर्देश पर अनिरुद्ध सोनी कर्मचारियों के साथ सहायक मंडल अभियंता (एडीईएन)/ अनु/ भोपाल कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने हल्लाबोल प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की. प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सहायक मंडल अभियंता को सौंपा. ज्ञापन में लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई.

खबर का असर ▸ दुरुस्त हुए सीसीटीवी कैमरे और बेहतर हुई व्यवस्थाएं, बिछायी गईं साफसुथरी चादरें

आईएसबीटी रैन बसेरे की बदली तस्वीर, उठाए सुधारात्मक कदम

बदहाल है आईएसबीटी रैन बसेरा

▸ सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर उठे गंभीर सवाल

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 12 जुलाई. आईएसबीटी बस स्टैंड के समीप स्थित रैन बसेरा अव्यवस्था और उपेक्षा का शिकार है. यात्रियों को अस्थायी आश्रय देने के उद्देश्य से बनाए गए इस रैन बसेरे में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है. निरीक्षण के दौरान यहां रखे बेडों पर धूल की मोटी परत जमी मिली, जिससे नियमित सफाई व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग गया है. महिलाओं के लिए बनाए गए अलग कमरों में भी पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध नहीं पाए गए. परिसर में सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति और प्रभावी निगरानी व्यवस्था के अभाव से किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है. रैन बसेरे में लगे सीसीटीवी कैमरे तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़े मिले,

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 14 जुलाई. आईएसबीटी बस स्टैंड के समीप स्थित रैन बसेरे की अव्यवस्थाओं को लेकर नवभारत में प्रकाशित खबर का असर दिखाई दिया.

यात्रियों की सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाए जाने के बाद नगर निगम प्रशासन ने व्यवस्थाओं में सुधार की पहल की है. रैन बसेरे में लंबे समय से खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त कर चालू कर दिया गया है, जिससे परिसर की निगरानी व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है. सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी ध्यान दिया जा रहा है. वहीं, रैन बसेरे में रखे बेडों की सफाई कराई गई है. धूल से ढके पड़े बेड अब साफ-सुथरे नजर आ रहे हैं और यात्रियों के ठहरने के लिए व्यवस्था को व्यवस्थित किया गया है. नियमित साफ-सफाई पर भी जोर दिया जा रहा है. पहले निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में गंदगी, खराब सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा व्यवस्था की कमी जैसे मामले सामने आए थे. महिलाओं के लिए बने कमरों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे थे. खबर प्रकाशित होने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सुधारात्मक कदम उठाए हैं.

साफ-सफाई पर लगातार रखी जाएगी निगरानी

जोनल अधिकारी रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि रैन बसेरे की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी कार्रवाई की जा रही है. सीसीटीवी कैमरों को ठीक करा दिया गया है और साफ-सफाई व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाएगी.